

अर्बुदीकरण पुं. (तत्.) अर्बुद के बनने की क्रमिक प्रक्रिया, अर्बुदीयन दे. अर्बुद।

अर्भ पुं. (तत्.) 1. बालक, शिशु 2. शिष्य, छात्र 3. शिशिर ऋतु वि. 1. मैला 2. धुँधला 3. छोटा, तुच्छ।

अर्भक वि. (तत्.) 1. कम, थोड़ा 2. मूर्ख 3. दुबला-पतला पुं. बालक, शिशु।

अर्य वि. (तत्.) 1. श्रेष्ठ, उत्तम 2. पूजनीय 3. सच्चा 4. दयालु पुं. 1. स्वामी, मालिक 2. ईश्वर 3. वैश्य।

अर्यमा पुं. (तत्.) 1. सूर्य 2. बारह आदित्यों में से एक 3. उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र 4. अंतरंग मित्र 5. पितरों का एक गण या वर्ग।

अर्या स्त्री. (तत्.) 1. गृहिणी 2. वैश्य जाति की स्त्री 3. रखैल।

अर-बर पुं. (तद्.) व्यर्थ की बकवास।

अरी पुं. (तत्.) 1. एक जंगली वृक्ष जिसकी मजबूत लकड़ी भवन-निर्माण के काम आती है 2. अरहर।

अर्वट पुं. (तत्.) भस्म, राख।

अर्वती स्त्री. (तत्.) 1. घोड़ी 2. दूती।

अर्वा पुं. (तत्.) 1. घोड़ा 2. इंद्र।

अर्वाक् अव्य. (तत्.) 1. निकट, समीप 2. नीचे 3. इस ओर, इधर 4. पीछे।

अर्वाकालिक वि. (तत्.) आधुनिक समय का, अभी-अभी का।

अर्वाचीन वि. (तत्.) 1. नवीन, नया, जो वर्तमान समय की विशेषताओं से युक्त हो, आधुनिक, अद्यतन 2. जो पुराना न हो।

अर्श पुं. (अर.) 1. आकाश 2. इस्लाम के अनुसार सर्वोच्च स्वर्ग, आठवीं बिहिश्त 3. बवासीर, गुदा का एक रोग मुहा. अर्श पर होना- अपने को बहुत बड़ा समझना; किसी को अर्श पर चढ़ाना- अत्यधिक प्रशंसा करना, श्रेष्ठ ठहराना; अर्श से फर्श तक- आकाश से धरती तक; दिमाग या मिज़ाज अर्श पर होना- बहुत अधिक अभिमान होना।

अर्शहर पुं. (अर.) बवासीर नामक रोग में लाभ पहुँचाने वाली दवा या पथ्य।

अर्शी वि. (अर.) अर्श का रोगी, बवासीर का रोगी।

अर्शोघ्न वि. (तत्.) अर्श रोग को शांत करने वाली (औषधि) बवासीर रोग का समापक।

अर्सा पुं. (तत्.) दे. अरसा।

अर्ह वि. (तत्.) 1. पूज्य 2. योग्य पुं. 1. ईश्वर 2. इंद्र 3. विष्णु 4. मूल्य 5. औचित्य।

अर्हक वि. (तत्.) किसी पद पर चयन आदि के लिए उपयुक्त (योग्यता आदि)।

अर्हक अंक पुं. (तत्.) किसी प्रवेश-परीक्षा या चयन के संदर्भ में ली गई परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम निर्धारित अंक।

अर्हक परीक्षा स्त्री. (तत्.) किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश या किसी पद पर चयन या पदोन्नति के लिए आयोजित परीक्षा जिसमें न्यूनतम निर्धारित अंक प्राप्त करने पर ही प्रार्थी पर आगे विचार किया जाता है।

अर्हण पु. (तत्.) पूजा, आदर, मान।

अर्हणा स्त्री. (तत्.) दे. अर्हण।

अर्हणीय वि. (तत्.) पूजनीय, सम्माननीय।

अर्हता स्त्री. (तत्.) 1. योग्यता, उपयुक्तता, किसी पद के लिए अपेक्षित (शैक्षिक, आयु संबंधी या अनुभव आदि संबंधी) योग्यता 2. मूल्यवत्ता।

अर्हता अंक पुं. (तत्.) दे. अर्हक अंक।

अर्हता परीक्षा पुं. (तत्.) परीक्षा जिसे उत्तीर्ण करने के बाद ही उम्मीदवार पदविशेष के लिए पात्र बनता है पर्या. अर्हक परीक्षा।

अर्हत् पुं. (तत्.) 1. जैनियों के पूज्य महापुरुष 2. जिन 3. बौद्ध-भिक्षु।

अर्हा स्त्री पुं. (तत्.) 1. पूजा, आदर 2. मूल्य।

अहर्ष वि. (तत्.) अर्हा अर्थात् पूजा के योग्य, पूज्य, मान्य, पूजनीय, माननीय, आदरणीय।